पंजीकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय : 3, मार्बल आर्च, सेनापति बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016

+91 22 24306321/24378866 24313938 abvpkendra@gmail.com www.abvp.org

दि. 9 फ़रवरी 2024

-:प्रेस विज्ञप्ति:-

पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से पुरस्कृत किए जाने का निर्णय अभिनंदनीय।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव जी, चौधरी चरण सिंह जी और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन जी को भारत रत्न प्रदान करने के केंद्र सरकार के निर्णय का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती है। तीनों ही महान व्यक्तित्वों ने देश के युवाओं को प्रेरणा दी है तथा दिशा दिखाई है।

देश में आर्थिक सुधारों के जनक माने जाने वाले, वर्ष 1991-96 तक देश के 9वें प्रधानमंत्री रहे पीवी नरसिम्हा राव जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से भारत को आर्थिक रूप से उन्नत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आंध्रप्रदेश के करीमपुर में जन्में श्री राव, 1971-73 आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री, 1980-84 देश के विदेश मंत्री, एवं बाद में देश के गृहमंत्री भी रहे। भारतीय उद्योगों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु लालफीताशाही को कम करने, शिक्षा क्षेत्र में सुधार, राष्ट्रीय स्तर पर नवोदय विद्यालयों के रूप में आवासीय विद्यालयों की स्थापना करने, लुक ईस्ट नीति बनाने और स्थानीय निकायों को सशक्त बनाने वाले 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों का महत्वपूर्ण कार्य नरसिम्हा राव ने किया।

उत्तर प्रदेश में जन्में, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए समर्पित किया था। वर्ष 1967 और 1970 में 2 बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे चौधरी चरण सिंह जी ने प्रदेश में भूमि सुधार हेतु महत्वपूर्ण कार्य किए। जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया जोत अधिनियम 1960, ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 लाने का श्रेय उन्हें ही जाता है।

तमिलनाडु के तंजावुर में जन्में एवं देश में हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन ने कृषि और किसानों के कल्याण में उल्लेखनीय योगदान देते हुए भारत को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अधिक पैदावार वाले उन्नत खाद्यान्न बीजों की किस्मों को विकसित करने में आपका बड़ा योगदान है। 1960 के दशक में अकाल के दौरान कृषि में तकनीकी सुधारों के द्वारा देश को बड़ी राहत पहुंचाने का कार्य श्री स्वामीनाथन ने किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री श्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष चौहान ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से पुरस्कृत किए जाने के निर्णय का अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया है।

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री श्री दिगम्बर पवार द्वारा जारी की गयी है।)